यूनानी निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ

उत्तर प्रदेश राज्य आयुष सोसाइटी द्वारा संचालित निम्न योजनाओं के सम्बंध में

क–आयुष आपके द्वार

उत्तर प्रदेश में आयुष तथा स्वास्थय विभाग के अन्तर्गत जनपदों तथा दूर दराजमें संचालित चिकित्सालयों की यह परम्परा रही है कि रोगी अपना दुख लेकर निकटतम चिकित्सालयों में उपचार हेतु आता है तथा चिकित्सक के परार्मश से औषधि लेकर अपने घर जाता है परन्तु आयुष विभाग ने '**आयुष आपके द्वार**'के अन्तर्गत एक ऐसी सेवा प्रारम्भ कि है जिसमें चिकित्सक तथा अन्य स्टॉफ रोगीयों तक पहुँचकर उनका उपचार करेंगें। इस कार्यक्रम को उत्तर प्रदेश के आयुष चिकित्सालयों में प्रारम्भ कर दिया गया है। आयुष विभाग के अन्तर्गत 254 यूनानी चिकित्सालयों में कार्यरत यूनानी चिकित्साधिकारी तथा अन्य स्टाफ सप्ताह में दो दिन (बुधवार एवं शुक्रवार) को प्रातः आठ बजे से दस बजे तक चिकित्सालयों में रोगीयों का उपचार कर रहें है तथा 10 बजे के उपरान्त चिकित्सालय के आठ कि0मी0 कि परिधि में आने वाले ग्रामों स्कूलों,पंचायत घरों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलो पर चिकित्सालय कैम्प लगा कर रोगियों का उपचार करने के साथ साथ आयुष विधा का प्रचार प्रसार तथा जडी बुटियों के विषय में जानकारी दे रहे है इससे यह लाभ हो रहा है कि प्रत्येक ग्रहणी के रसोई में तथा ग्राम के खेतों में पायी जाने वाली ऐसी औषधिया जिनके प्रयोग से रोगो से बचाव/छुटकारा हासिल किया जा सकता है कि जानकारी भी दी जा रही है तथा आयुष विधा का प्रचार प्रसार भी हो रहा है।

जबसे आयुष आपके द्वार कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है क्षेत्र में रोगीयों की संख्या में लगभग 10 से 15 % की वृधि हुयी है तथा आयुष विधा के ओर लोगो का रूझान बढा है।

ख–आयुष ग्राम

आयुष ग्राम एक अवधारणा है जिसमें प्रति ब्लॉक एक गांव को आयुष जीवन शैली के तरीको व अभ्यास को अपनाने तथा स्वास्थ्य परिचर्या के उपचारो के लिए चयनित किया गया है।

उद्देश्यः–

1. आयुष चिकित्सा पद्धतियो में वर्णित उन आहार, आदतों तथा जीवन शैलीयों के विषय में समुदाय के भीतर जागरूकता फैलाना जिससे रोगों कि रोकथाम तथा स्वास्थ्य को बेहतर बनानें मे मदद मिलें।
2. ग्राम वासियों को औषधीय गुणों वाली जड़ी बूटीयों के संरक्षण तथा खेती के लिए प्रोत्साहित करना।
3. ग्राम वासियों को उनके घरों में तथा क्षेत्र में पायी जाने वाली जड़ी बूटीयों के प्रयोग के माध्यम से रोगो के इलाज के बारे सलाह देना।
4. संचारी रोगों के विरूद्ध अभियान चलाना तथा उनकी रोक थाम। के लिए उपाय करना

आयुष ग्राम के अन्तर्गत प्रति ब्लॉक एक गांव का चयन किया गया हैजो निम्नलिखित है

क0 सं0	आयुष ग्राम का नाम	ब्लॉक	जनपद
1	कदौरा	कदौरा	जालौन
2.	बमहौरी	तालबेहाट	ललितपुर
3.	सतरिक	हरख	बराबंकी
4.	महौना	बक्शी का तालाब	लखनऊ
5.	रूधौली	रूधौली	बस्ती
6.	मेहनगर	मेहनगर	आजमगढ़
7.	असही आजमपुर	कचौना	हरदोई
8.	बरला	गंगारी	अलीगढ़
9.	मऊआइमा	मऊआइमा	इलाहाबाद
10.	परियावन	कालाकंदर	प्रतापगढ़
11.	चायल	चायल	कौशाम्बी
12.	लोहता	काशी विद्यानपीठ	वाराणसी
13.	नियोरिया हुसैनपुर	मरारूरी	पीलीभीत
14.	अदरी	कोपागंज	मऊ
15.	इचौली	रजपुरा	मेरठ

उक्त आयुष ग्रामों के 5 कि0मि0 के परिधि में आने वाले तीन से चार ग्रामों को मिलाकर ग्रामसंकुल (Village Cluster) बनाया गया है जिसकी आबादी 10000 से 20000 तक है जिनमें प्रति ग्राम रू0 9.25 लाख आवंटित है। इन आयुष ग्रामों में निम्नलिखित गतिविधिया संचालित है–

1. आयुष महाविद्यालयों के छात्रों के द्वारा स्वास्थ्य सर्वे कैम्प।
2. स्वास्थ्य कैम्प/कार्यशाला एवं संगोष्ठीयो का आयोजन।
3. भव्य वार्षिक आयुष मेले का आयोजन, यह आयोजन यूनानी दिवस (11 फरवरी) आयुर्वेद दिवस (धनतेरस) होम्योपैथी दिवस (10 अप्रैल), योग दिवस (21 जून) तथा प्राकृतिक चिकित्सा दिवस (18 दिवस) के अवसर पर वर्ष में एक बार इनमें से किसी एक तिथि को आयोजित किया जायेगा।
4. अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के दृष्टि के अन्तर्गत इन आयुष ग्रामों में 15 जून 30 जून तक योग पखवाड़ा मनाया जा रहा है।
5. संक्रामक रोगो जैसे, डेंगू, स्वाइन फ्लू, चिकन गुनिया, ज0ई0, ए0इ0एस0 तथा अन्य संक्रामक रोगों से बचाव हेतु आयुष की औषधियों का वितरण किया जायेगा।
6. किशोरियों एवं गर्भवती महिलाओं की विशेष देखभाल हेतु आयुष विधा के अन्तर्गत प्रभावी कदम उठायें जायेंगें।
7. औषधिय पौधौ का प्रस्तुतिकरण कर इनकी जानकारी किसानों तथा ग्रामवासियों को दी जायेगी।

इन सारी योजनाओं हेतु आवश्यक औषधियां उपलब्ध कराये जाने का प्रबंध भी आयुष विभाग द्वारा किया जायेगा इस हेतुरू0–300000/– (रू0 तीन लाख) से अधिक की धनराशि उपलब्ध करायी गयी है।

ग–आयुष शैक्षणिक संस्थान (यूनानी)

1. वर्ष 2015–16 में दोनो राजकीय यूनानी मेडिकल कालेजो लखनऊ/इलाहाबाद हेतु रू0–50–50 लाख पुस्तकों/उपकरणोंके क्रय हेतु स्वीकृति प्रदान की गई थी। **(कार्यवाही पूर्ण कर उपयोगिता प्रमाण पत्र मिशन निदेशक लखनऊ को प्रेषित किया जा चुका है)**
2. वर्ष 2016–17 में राजकीय यूनानी मेडिकल कालेज इलाहाबाद हेतु रू0–2.00 करोड (रू0 160.00 लाख इलाज बिद– तदबीर के निमार्ण कार्य हेतु एवं रू0–40 लाख उपकरणो) हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है। समाज कल्याण निमार्ण निगम, इलाहाबाद को कार्यदायी संस्था नामित किया जा चुका है **कार्यदायी संस्था द्वारा कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है।**
3. वर्ष 2017–18 में राजकीय तकमील उत्तिब कालेज लखनऊ के बालक छात्रावास के निमार्ण कार्य हेतु रू0–1.30 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई है। समाज कल्याण निमार्ण निगम, लखनऊ को कार्यदायी संस्था नामित किया जा चुका है**कार्यदायी संस्था द्वारा कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है।**

घ–आयुष सेवायें (यूनानी)

1. आयुष मिशन के अन्तर्गत 50 शैय्या युक्त एकीकृत आयुष चिकित्सालयों की स्थापना 16 जनपदो में प्रारम्भ कर दी गयी है जिसके अन्तर्गत कम से कम एक एकड़ में फैले इन चिकित्सालयों में एक ही छत के नीचे आयुर्वेदिक/यूनानी एवं हौम्योपैथिक योग सभी विधाओं से रोगीयों का उपचार किया जायेगा जिसके अन्तर्गत तीनों विधाओं के चिकित्सकों की तैनाती होगी। इन चिकित्सालयों में इलाजबित तदबीर (Regimenal Therapy) योग तथा पंचकर्म की भी सुविधाऐं दी जा जायेंगी। जिन 16 चिकित्सालयों की स्थापना प्रक्रियाधीन है वह निम्नलिखित है 1.कुशी नगर 2. कानपुर नगर 3. लखनऊ 4. वाराणसी 5. बरेली 6. बस्ती 7. सहारनपुर 8. सोनमद्र 9. अमेठी 10. सन्त कबीर नगर 11. कानपुर देहात 12. ललितपुर 13. जालौन 14. कौशाम्बी 15. देवरिया 16. बलिया
   इनमें से बरेली तथा बस्ती की भूमि पूर्व में संचालित यूनानी चिकित्सालयों द्वारा आवंटित की गयी है बरेली चिकित्सालय का शिलान्यास दिनांक 25.05.2018 को यू0पी0 प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लि0 बरेली द्वारा एवं बस्ती चिकित्सालय का शिलान्यास समाज कल्याण निर्माण निगम, बस्ती द्वारा 18.04.2018 को किया जा चुका है
2. वर्ष 2016–17 में यूनानी के तीन चिकित्सालयों 1. राजकीय यूनानी चिकित्सालय श्री नगर जनपद श्रवस्ती, नवाब गंज, जनपद बहराइच तथा सैन्थल जनपद, बरेली के उच्चीकरण हेतु रू0– 20.10 लाख प्रति चिकित्सालय कि दर से कुल रू0–60.30 लाख स्वीकृत किया गया है जिसके सापेक्ष तीनो चिकित्सालयों में 60% से 85% तक कार्य सम्पन्न हो चुका है तथा कार्यदायी संस्था को दूसरी तथा अन्तिक किश्त आवंटित कर दी गयी है तीनो चिकित्सालयों का उदघाटन शीघ्र ही हो जायेगा।
3. वर्ष 2017–18 में कुल 13 चिकित्सालयों (राजकीय यूनानी चिकित्सालय, हमजापुर पाठनपुर, बंधुआकलाँ–सुलतानपुर, बहुआ अमेठी, थाड़ीभार कुशी नगर, मेण्डारा इलाहाबाद, कम्हरिया हमीरपुर, रसिया खानपुर पीलीभीत, अनजान शहीद आजमगढ़, गोपालपुर गोरखपुर, चन्दायर बलिपुर बलिया, कांठ शाहजहॉपुर, लमकन बरेली, तथा मोहम्मदपुर कीरत बाराबंकी) हेतु कुल रू0–209.33 लाख आवांटित किये गये है जिसकी कार्यदायी संस्था प्रबंध निदेशक, उ0प्र0 समाज कल्याण निर्माण निगम, लखनऊ को नामित किया गया है। आयुष मिशन द्वारा पहली किश्त का आवंटन कर दिया गया है अधिक तर स्थानों पर कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है।

ड़–स्वच्छता एक्शन प्लान

आयुष मिशन द्वारा यूनानी विधा के बारह चिकित्सालयों को रू0–19131.00 प्रति चिकित्सालय की दर से तथा लखनऊ तथा इलाहाबाद के राजकीय यूनानी कालेजों को रू–200000 दो लाख प्रति चिकित्सालय की दर से स्वच्छता हेतु धनराशि आवंटित की गयी है जो निम्नलिखित है–

क0 सं0	जनपद का नाम	क0 सं0	श्राजकीय यूनानी चिकित्सालय का नाम	वित्तीय स्वीकृति
1	लखनऊ	1	राजकीय यूनानी चिकित्सालय, महोना।	रू0–19131.00
2	हरदोई	2	राजकीय यूनानी चिकित्सालय, असही आजमपुर।	रू0–19131.00
3	रायबरेली	3	राजकीय यूनानी चिकित्सालय, थुलैण्डी।	रू0–19131.00
4	फर्रूखबाद	4	राजकीय यूनानी चिकित्सालय, पिपरागॉव।	रू0–19131.00
5	रामपुर	5	राजकीय यूनानी चिकित्सालय, पटवाई।	रू0–19131.00
6	बरेली	6	राजकीय यूनानी चिकित्सालय, मदनापुर।	रू0–19131.00
	बरेली	7	राजकीय यूनानी चिकित्सालय, नवाबगंज।	रू0–19131.00
	बरेली	8	राजकीय यूनानी चिकित्सालय, दौलीरघुवर दयाल।	रू0–19131.00
7	बदायूँ	9	राजकीय यूनानी चिकित्सालय, हजरतपुर।	रू0–19131.00
	बदायूँ	10	राजकीय यूनानी चिकित्सालय, नगर	रू0–19131.00
	बदायूँ	11	राजकीय यूनानी चिकित्सालय, संग्रामपुर।	रू0–19131.00
8	पीलीभीत	12	राजकीय यूनानी चिकित्सालय, नियोरिया हुसैनपुर।	रू0–19131.00
			योग	**रू0–229572.00**
			राजकीय यूनानी मेडिकल कालेज का नाम	
1	लखनऊ		राजकीय तकमील–उत्तिब कालेज एवं चिकित्सालय, लखनऊ	रू0–200000.00
2	इलाहाबाद		राजकीय यूनानी मेडिकल कालेज एवं चिकित्सालय, इलाहाबाद	रू0–200000.00
			योग	**रू0–400000.00**

उक्त चिकित्सालयों तथा महाविद्यालयों में क्रय कि प्रकिया प्रारम्भ है।

च–औषधियों की आपूर्ति

प्रदेश के 254 चिकित्सालयों में आयुष मिशन द्वारा प्रति चिकित्साल रू0 दो लाख की आपूर्ति प्रक्रियाधीन है इस हेतु सरकार द्वारा आपूर्तिकर्ता आई0एम0पी0सी0एल0 मोहान रोड उत्तराखण्ड जो भारत सरकार का उपक्रम है को निर्देश दिये गये है कि रोगियों की वितरित की जाने वाली प्रत्येक औषधि पर क्यू0 आर0 कोड़ अंकित किया जाये जिससे दवाओं के वितरण में पारदर्शिता बनी रहे उक्त संस्था को ये भी निर्देश दिये गये है कि गुणवत्ता, स्वच्छता तथा पैकिंग का विशेष ध्यान रखा जाये जिससे औषधियों की प्रभावशीलता बनी रहे।

छ–आनलाइन ड्रग लाइसेंसिंग प्रक्रिया

यूनानी निदेशालय के अन्तर्गत प्रदेश भर में लगभग 290 औषधि निर्माणशाला संचालित है जिनमें से लगभग 64 निर्माणशालाओं को ही जी0एम0पी0 प्राप्त है इस हेतु निदेशालय द्वारा प्रयास किया जा रहा है कि समस्त निर्माणशालाए जी0एम0पी0 के पैमाने का पालन करें, इस हेतु प्रदेश के समस्त क्षेत्रीय अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है कि समस्त निर्माणशालाऐं जी0एम0पी0 का पालन सुनिश्चित करें अन्यथा उनका लाइसेंस रदद कर दिया जायेगा। इस हेतु प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाने के लिये आनलाइन आवेदन की व्यवस्था कर दी गयी है जिससे कि लाइसेंस की गुणवत्ता बनी रहे।